नागलवाड़ी बुजुर्ग में अवैध पेड़ कटाई और विवाद

बड़वानी, (नवभारत)। जिला मुख्यालय पर तहसील राजपुर के ग्राम नागलवाड़ी बुजुर्ग के एक किसान ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। किसान ने पैतृक भूमि की मेढ़ पर लगे हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई करने और विरोध करने पर विवाद करने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित जगनलाल पिता मदनलाल ने आवेदन में बताया कि ग्राम नागलवाड़ी बुजुर्ग में उनकी सर्वे नंबर 80/1, रकबा 3.2140 हेक्टेयर की पैतृक काश्त भूमि स्थित है। इस भूमि की मेढ़ पर नीम, बबूल, आम, शीशम और पीपल के कई पुराने व हरे-भरे पेड़ लगे हैं। आरोप है कि गांव के ही मोहन पिता खेताजी सिर्वी, नरेन्द्र पिता मोहन और प्रकाश पिता मोहन द्वारा इन पेड़ों की अवैध रूप से कटाई की जा रही है।

महिला प्रताड़ना की आड़ में विवाद का आरोप

पीड़ित का कहना है कि जब वे कटाई रोकने का प्रयास करते हैं, तो आरोपी पक्ष का पूरा परिवार मौके पर विवाद करता है और अपने घर की महिलाओं को आगे

कर देता है। आरोपी रात के अंधेरे में भी पेड़ काट रहे हैं और मेढ़ को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए पीड़ित ने मौके के छायाचित्र (फोटोग्राफ्स) और खाता-खसरा नकल सहित आवेदन एसपी कार्यालय में पेश कर आरोपियों के विरुद्ध तत्काल उचित वैधानिक कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

उचित कार्रवाई की लगाई गुहार

शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए पीड़ित ने मौके के छायाचित्र (फोटोग्राफ्स) और खाता-खसरा नकल सहित आवेदन एसपी कार्यालय में पेश कर आरोपियों के विरुद्ध तत्काल उचित वैधानिक कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

शितोले का किया सम्मान

निवाली, (नवभारत)। ग्राम फुलज्वारी के एकीकृत शासकीय मावि के शिक्षक संतोष शितोले की सेवानिवृत्ति पर उनके जीवन का एक ऐसा प्रेरक संघर्ष सामने आया है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। वर्ष 2012 में गंभीर पैरालिसिस का शिकार होने के बाद भी उन्होंने कभी स्कूल जाना नहीं छोड़ा।

लगातार 14 वर्षों तक स्कूल पहुंचते रहे और बच्चों का भविष्य संवारते रहे। उनकी इसी कर्तव्यनिष्ठा को देखकर सेवानिवृत्ति पर नगरवासियों ने फूलमाला पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। वहीं प्रेस क्लब निवाली एवं शिक्षक साथियों ने शाल-श्रीफल से सम्मानित किया।

वर्ष 1998 में नियुक्त हुए शिक्षक शितोले के जीवन में 2012 में बड़ा संकट आया जब वे पैरालिसिस से ग्रस्त हो गए। चलने-फिरने में असमर्थ होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और न ही कभी अपनी बीमारी का बहाना बनाकर अवकाश लिया। वे हर परिस्थिति में स्कूल पहुंचे और अपने पूरे 29 साल के सेवाकाल में कभी स्थानांतरण नहीं लिया। शिक्षक विहीन स्कूल में अतिथि शिक्षकों संग दिया 100 प्रतिशत रिजल्ट उनकी कर्तव्यनिष्ठा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह विद्यालय 5 वर्षों से अधिक समय तक नियमित शिक्षक विहीन रहा था। कोई अन्य नियमित शिक्षक न होने के बावजूद गंभीर बीमारी से जूझ रहे शितोले ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अतिथि शिक्षकों के साथ तालमेल बिठाकर न सिर्फ स्कूल को सुचारू रूप से चलाया, बल्कि कड़ी मेहनत से विद्यालय का रिजल्ट भी शतप्रतिशत लाकर दिखाया। सभी ने कहा कि शितोले का यह संघर्ष और सेवाभाव आने वाली पीढ़ियों और युवा शिक्षकों के लिए हमेशा एक मार्गदर्शक और प्रेरणा स्रोत का कार्य करेगा।

गोमाई नदी में कचरे से फैल रही गंदगी

▶ नगर परिषद ने अब तक नहीं उठाए कोई ठोस कदम

पानसेमल, (नवभारत)। नगर में मानसून के पूर्व प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियों के साथ ही नालियों की सफाई एवं समीपस्थ नालों में पानी की सुचारू रूप से निकासी के लिए कार्य कराया जाता है। साथ ही नदियों को दूषित होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते हैं, लेकिन उसके उलट नगर की गोमाई नदी में फैलते कचरे को रोकने के लिए नगर परिषद द्वारा अब तक कोई ठोस कदम देखने को नहीं मिला है।

इस विषय को लेकर तत्कालीन सीएमओ संतराम चौहान से मौखिक रूप से चर्चा की गई थी, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। वर्तमान में गोमाई नदी के किनारे शनि देव मंदिर, कालिका माता मंदिर, आसरा माता मंदिर, गणपति मंदिर स्थापित हैं। वावजूद इसके सिवरेज का गंदा पानी नदी में मिल रहा है। नगर वासियों की आस्था का केंद्र होने के बाद भी इन मंदिरों के आसपास गंदे पानी और कचरे की बदबू से श्रद्धालु एवं आसपास के रहवासी परेशान हैं। निकट ही खटकी मोहल्ला है, जिसके स्लॉटर हाउस से निकलने वाले मांस और मृत पशुओं के रक्त के कुछ अवशेष भी गोमाई नदी में मिलने की शिकायत विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा ज्ञापन सौंपकर की गई थी।

फिलहाल ऐसा लगता है कि जिम्मेदारों को केवल विकास कार्यों की आवश्यकता बनी हुई है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण को लेकर कोई पहल नहीं करना चाहता। इस विषय को लेकर एसडीएम रमेश सिसोदिया से चर्चा करने पर उन्होंने नगर परिषद में तत्कालीन सीएमओ को निर्देशित किया था, लेकिन अभी तक नदी में पसरी गंदगी की सफाई को लेकर पहल नहीं हो पाई है। नगर के खड़की रोड़ पर भी नाले में गंदगी पसरी हुई है, जिसके कारण रहवासियों को गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने का भय बना हुआ है। जहां एक ओर कलेक्टर जयतिसिंह द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वहीं इस ओर स्थानीय प्रशासन की उदासीनता कई सवाल खड़े कर रही है। नगर परिषद सीएमओ संतराम चौहान के स्थानांतरण होने के बाद अब नगर परिषद सीएमओ का प्रभार एसडीएम रमेश सिसोदिया को मिला है।

▶ समाधान की कही बात

इस विषय को लेकर उप यंत्री अभय शर्मा ने बताया कि गोमाई नदी के निकट ही सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है, जो करीब 9 से 10 महीने में पूर्ण होगा। प्लांट के निर्माण से सुविधा होगी। वहीं खड़की रोड़ पर स्थित नाले में गंदगी को लेकर उन्होंने बताया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा कूड़ा करकट डाला जाता है, जिन्हें चिन्हित कर नोटिस दिए जा चुके हैं। एसडीएम रमेश सिसोदिया द्वारा नगर परिषद अधिकारी कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को चर्चा भी की गई। वहीं इस विषय को लेकर उन्होंने पूरी जानकारी लेकर आगे समस्या के समाधान की बात कही है।

नगर पालिका का विशेष अभियान

बड़वानी। शहर को आवारा मवेशियों से मुक्त बनाने तथा आमजनों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा। नपा की टीम ने कार्रवाई करते हुए सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण कर रहे मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा। आवारा मवेशियों के कारण आए दिन यातायात बाधित होने, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ने तथा नागरिकों को असुविधा होने की शिकायतें मिल रही थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह विशेष अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान लगातार जारी रहेगा।

बीजेएस ने बुजुर्गों का किया पितृत्व सम्मान

सेंधवा, (नवभारत)। परिवार के पालन-पोषण, सामाजिक दायित्वों, आर्थिक जिम्मेदारियों और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने में पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने के उद्देश्य से बीजेएस चैप्टर द्वारा विशेष पितृत्व सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के तहत चयनित सम्माननीय पिताओं के घर पहुंचकर परिवारजनों की उपस्थिति में प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल और माला भेंट कर उनका सम्मान किया गया।

बीजेएस के जिलाध्यक्ष सुरेश बागरेचा ने बताया कि किसी व्यक्ति को उसकी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए सम्मान मिलना सामान्य बात हो सकती है, लेकिन एक पिता के रूप में परिवार की मजबूत नींव रखने वाले व्यक्तित्व का सम्मान करना एक विशेष अनुभूति है। वरिष्ठ मार्गदर्शक प्रेम सुराना ने कहा कि जब समाज के बुजुर्गों का पितृत्व सम्मान किया गया, तो वह क्षण न केवल सम्मानित पिताओं, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज के लिए भावनात्मक, प्रेरणादायी और आशीर्वाद से भरा रहा।

कार्यक्रम की रूपरेखा बीजेएस के जिलाध्यक्ष सुरेश बागरेचा, सेंधवा चैप्टर अध्यक्ष अशोक संकलेचा, सचिव भूषण जैन एवं वरिष्ठ मार्गदर्शक प्रेम सुराना ने तैयार की। बीजेएस और समाज के सक्रिय सदस्यों की भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में नंदलाल बुरड़, राजेंद्र कांकरिया, चंद्रकुमार बागरेचा, तेजस शाह, मितेश बोकाडिया, अशोक पाटनी, सौरभ जैन, विजय जैन, मनीष बुरड़, अचिन जैन, सचिन शाह, गिरीश लालका, पवन शाह सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

प्रवास के दौरान मंत्री चौहान ने खाद वितरण व्यवस्था परखी

आलीराजपुर। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने जोबट प्रवास के दौरान ग्राम बड़ा गुड़ा स्थित मार्केटिंग सोसाइटी का औचक निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खाद लेने पहुंचे किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मंत्री चौहान ने सोसाइटी प्रबंधक को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी किसानों को ई-टोकन के क्रम अनुसार समय पर खाद उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी किसान को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने खाद वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

अधिकारियों के अनुसार 29 जून को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से कुल 1,430 ई-टोकन जारी किए गए थे। इनमें से 700 टोकन का उपयोग करते हुए जिले के किसानों ने कुल 389 मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त किया, जिसमें 253 मीट्रिक टन यूरिया का उठाव किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ई-टोकन जारी होने के बाद उसकी वैधता तीन दिनों तक रहती है, जिसके दौरान किसान अपनी सुविधा अनुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। 29 जून को जारी शेष 730 टोकनधारकों के पास अभी भी दो दिन का समय उपलब्ध है। वहीं आज भी नए जारी हुए ई-टोकनों के माध्यम से बड़ी मात्रा में किसानों द्वारा उर्वरक का उठाव किया गया। कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। ई-टोकन व्यवस्था लागू होने से किसानों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं गड़बड़ी पर प्रभावी रोक लगेगी।

मालवा-निमाड़ में 16 .38 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित

इंदौर. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने शासन की योजना के तहत मालवा-निमाड़ क्षेत्र में अब तक 16.38 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए हैं. कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटरों से त्रुटिरहित बिलिंग, निर्धारित समय में बिजली उपयोग पर टीओडी के तहत 20 प्रतिशत तक की छूट तथा गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर छूट का लाभ मिल रहा है. उन्होंने बताया कि इंदौर शहर में 6.90 लाख और पूरे इंदौर जिले में 7.15 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं. इसके अलावा उज्जैन रतलाम देवास में खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी, धार, मंदसौर, नीमच, स्मार्ट मीटर स्थापित किए गए हैं. अन्य जिलों में भी स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं.

जनजातीय छात्रावासों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति बढ़ी

इंदौर. प्रदेश के जनजातीय छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अगले शैक्षणिक सत्र से बढ़ी हुई छात्रवृत्ति मिलेगी. जनजातीय कार्य विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए नई दरों का आदेश जारी कर दिया है, जो 1 जुलाई से प्रभावी होगा. .

42 वर्षों की सेवा के बाद प्रधान अध्यापिका मंजू बाला भंडारी सेवानिवृत्त

पेटलावद। शासकीय माध्यमिक विद्यालय, गढ़ी, पेटलावद की प्रधान अध्यापिका मंजू बाला भंडारी 42 वर्षों की उत्कृष्ट, समर्पित और अनुकरणीय शैक्षणिक सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्त हो गईं। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उनके सम्मान में भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।समारोह में विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने भंडारी के शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय ने निरंतर प्रगति की तथा विद्यार्थियों ने शिक्षा, खेल एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर मंजू बाला भंडारी के परिजनों राजमल भंडारी, अशोक भंडारी एवं विजय कुमार भंडारी द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों तथा समारोह में उपस्थित अतिथि बीईओ देवेंद्र ओझा एवं संकुल प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। यह अपने आप में एक विशेष एवं सराहनीय पहल रही।

> उपस्थित जनों ने बताया कि विदाई समारोह में पहली बार किसी सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापिका के परिजनों द्वारा विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं अतिथियों का इस प्रकार सम्मान किया गया, जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। समारोह में मेघा गौड, हेमेन्द्र गुप्ता, भरत चौधरी, बसंतीलाल कटारा एवं संदीप तिवारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन देवेन्द्र गौड़ द्वारा किया गया। अंत में सभी ने मंजू बाला भंडारी के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बारिश में रेत खनन पर 1 अक्टूबर तक रोक

आलीराजपुर। मानसून के दौरान पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित खनन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने जिले की सभी नदियों में 30 जून की मध्यरात्रि से 1 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि तक रेत खनन, परिवहन एवं संबंधित गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

जनसुनवाई में 30 आवेदनों पर सुनवाई, निराकरण के निर्देश- आलीराजपुर। कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से प्राप्त 30 आवेदनों पर सुनवाई की गई। आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधार, समग्र आईडी में नाम संशोधन, भूमि विवाद, हैंडपंप, बंटवारा और आंगनवाड़ी नियुक्ति सहित विभिन्न मामलों में संबंधित विभागों को समय-सीमा में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

स्कूल बसों की फिटनेस जांच, तीन बसों पर 15 हजार रुपये का जुर्माना

आलीराजपुर। जिला परिवहन विभाग ने जोबट क्षेत्र में स्कूल बसों की सघन जांच कर फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त पाए जाने पर तीन बसों के विरुद्ध कुल 15 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की। विभाग ने स्कूल संचालकों से वाहनों के दस्तावेज अद्यतन रखने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की।

बाबा बर्फानी अमरनाथ के दर्शन के लिए असाड़ा राजपूत समाज का 21 सदस्यीय जत्था रवाना

आलीराजपुर। स्थानीय असाड़ा राजपूत समाज के 21 सदस्यों का जत्था बाबा बर्फानी अमरनाथ एवं माँ वैष्णो देवी के दर्शन हेतु रवाना हुआ। इससे पूर्व श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया।

समाज के मीडिया संयोजक उमेश वर्मा कछवाहा एवं मंदिर समिति अध्यक्ष दीपक एन. गेहलोत ने बताया कि मंदिर परिसर में समाजजनों ने सभी यात्रियों का पुष्पमाला, दुपट्टा व गमछा पहनाकर और मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया तथा मंगलमय यात्रा की कामना की। समाज अध्यक्ष मानेंद्र सिंह गेहलोत एवं हेमंत सिंह सिसौदिया ने भी शुभकामनाएं दीं। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान समाधि स्थल पहुंचे। उन्होंने सभी अमरनाथ यात्रियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया और सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाओं के साथ विदा किया। यात्रियों में रिंकेश तंवर, कुलदीप भाटी, विक्रांत राठौर, विनय तंवर, रितेश तंवर, आशीष (गोल्डी) राठौर, आस्था राठौर, राजेश्वरी तंवर, सचिता तंवर, रश्मि तंवर, पिंकी सोलंकी, अर्पिता राठौर, जिज्ञासा राठौर, हीरल राठौर, मितांश तंवर, पार्थ गेहलोत और धारिणी राठौर शामिल हैं। दाहोद से सुबोध वाघेला, वर्षा बेन सोलंकी, करिश्मा वाघेला एवं सचिन सोलंकी यात्रा दल का हिस्सा हैं। यात्री 5 जुलाई को अमरनाथ यात्रा के तीसरे जत्थे के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। इनमें 17 श्रद्धालु पहलगाम मार्ग से दो दिन की पैदल यात्रा कर पवित्र गुफा पहुंचेंगे, जबकि 4 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से दर्शन करेंगे। अमरनाथ यात्रा पूर्ण करने के बाद सभी श्रद्धालु 7 जुलाई को माता वैष्णो देवी के दर्शन करेंगे तथा 9 जुलाई को आलीराजपुर लौटेंगे।

एक नजर ▶ जहां जल है, वहां वृक्ष हैं और जहां वृक्ष हैं, वहां हरियाली है : मंत्री नागर सिंह चौहान

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, हर व्यक्ति निभाएं जिम्मेदारी : कलेक्टर

आलीराजपुर (कट्ठीवाड़ा)। जिले के ग्राम अकोला में मंगलवार को जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का जिला स्तरीय समापन हुआ। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जन-जन का दायित्व है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि जहां जल है, वहां वृक्ष हैं और जहां वृक्ष हैं, वहां हरियाली है। वृक्षों के संरक्षण और वर्षा जल संचयन से ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

कलेक्टर नीतू माथुर ने कहा कि जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक कम से कम एक जल

संरचना के निर्माण या संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने किसानों से कम पानी वाली फसलों और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने की अपील की। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघमित्रा गौतम ने बताया कि अभियान के दौरान जिले में 1007 खेत तालाब, 3282 डगवेल रिचार्ज, 17 अमृत सरोवर, 171 बोरी बंधान, 26 बावड़ियों का जीर्णोद्धार तथा 101 तालाब और स्टॉप डैम का गहरीकरण कराया गया। इसके अलावा हैंडपंपों की मरम्मत, पेयजल गुणवत्ता परीक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल स्रोतों के संरक्षण, पौधारोपण और जनजागरूकता के व्यापक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

▶ किसानों को पर्याप्त खाद, कालाबाजारी पर लगेगी रोक

मंत्री चौहान ने कहा कि जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से किसानों को आवश्यकता के अनुसार पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कालाबाजारी और अवैध भंडारण पर प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने पात्र हितग्राहियों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने और बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का भी आग्रह किया। अतिथियों ने पौधारोपण किया तथा सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत, जिला पंचायत सीईओ संघमित्रा गौतम, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।